पाठ 6. जलाते चलो

पाठ की भूमिका

इस पाठ का उद्देश्य बच्चों में रचनात्मक विचार संबंधी कौशल विकसित करना है ताकि वे चीज़ों व घटनाओं को देखने और करने का अभिनव तरीका अपना सकें। संसार में तरह-तरह के अँधेरे हैं। अंधविश्वासरूपी अँधेरा, अत्याचाररूपी अँधेरा, अज्ञानरूपी अँधेरा और गरीबी तथा आतंक के अँधेरे। लेकिन ये अँधेरे जीवन का सत्य नहीं हैं। जीवन का सत्य है मनुष्यता पर विश्वासरूपी प्रकाश। इस प्रकाश अर्थात् मनुष्यता की सेवा में हम सबको दीपक बनकर जलना है। यही आशा इस कविता का संदेश है।

पाठ का सार

धरती पर रोशनी की रक्षा में, अच्छाई की सेवा में जब तक एक भी दीपक जलते रहने को तैयार रहेगा, तब तक इस धरती पर अँधेरे की पताका कभी नहीं फहराएगी। तब तक बुराई के दानव का राज कभी स्थापित नहीं होगा। कवि को वीरों के इतिहास से प्रेरणा मिल रही है कि इस धरती पर कुर्बानियाँ देने वाले मनुष्य बराबर जन्म लेते रहे हैं। उन्हीं के प्रयत्न से व उन्हीं के प्रकाश से अब तक यह धरती मनुष्य के जीने के लायक बनी हुई है।

माना की अच्छाई और बुराई की यह लड़ाई, कभी न रुकने वाली लड़ाई है। पर, इस जीवन को खूबसूरत और मुनष्यों के और अन्य प्राणियों के रहने लायक बनाने और बनाए रखने के लिए हम सबको लगातार कोशिश करनी होगी।

अध्यापन संकेत

- **मूल पाठ के लिए संकेत**

  'ये लड़ाई है दिये और तूफ़ान की'–इस फ़िल्मी गीत को उपलब्ध कराकर कक्षा में सुनाने से कविता के लिए वातावरण तैयार किया जा सकता है। कविता का आदर्श वाचन करें फिर विद्यार्थियों से कहा जाए कि वे दक्षता के आधार पर क्रमशः कविता को पढ़ें व पढ़कर सुनाएँ। वाचन या उच्चारण में जहाँ बेहतर करने की सलाह देनी हो, बच्चों का उत्साह घटाए बिना सही जानकारी अवश्य दें। शब्दार्थ के साथ पंक्तियों का सरलीकरण किया जाए।

- **अभ्यास प्रश्नों के लिए संकेत**
  - **मौखिक प्रश्नों, पहेलियों, पठित परिच्छेद** व **पाठ आधारित प्रश्नों** के अध्यापन संकेत हेतु **पृष्ठ संख्या 93** देखें।
  - **भाषा आधारित प्रश्नों** का उद्देश्य हिंदी भाषा के व्याकरण-पक्ष को सुदृढ़ करना है।
  - समानार्थी शब्दों के बारे में बच्चों को उदाहरण देकर समझाएँ। यह बताएँ कि किसी-किसी शब्द के कई समानार्थी शब्द होते हैं। अभ्यास में दिए गए प्रश्नों के अतिरिक्त भी कुछ उदाहरण दिए जा सकते हैं।
- **क्रियाकलाप के लिए संकेत**
  - कुम्हार के जीवन और उसके व्यवसाय के बारे में विशेष चर्चा करें।
  - दीपावली पर्व के बारे में चर्चा करें।